उत्पात | 20 खंभों के साथ फेंसिंग दीवार तोड़ी, विशेषज्ञों का दल हाथियों की गतिविधियों की कर रहा निगरानी

हाथियों का कहर, 5 किसानों की फसलें रौंदी

अनूपपुर नवभारत 22 फरवरी। जिले में छत्तीसगढ़ के मरवाही वनमंडल से दो माह पूर्व आए तीन हाथियों के दल ने जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट में स्थाई डेरा डाल लिया है। हाथियों ने अब ग्रामीणों के साथ-साथ वन विभाग को भी नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है।

शनिवार-रविवार की रात हाथियों ने वन विभाग की कैम्पा रोपण क्षेत्र की लगभग 60 मीटर लंबी फेंसिंग दीवार और 20 खंभों को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने आसपास के खेतों में घुसकर गेहूं, मटर और मूंगफली की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों की निगरानी एवं गतिविधि को देखने के लिए वाइल्ड लाइफ स्टूटेनट ऑफ इंडिया पश्चिम बंगाल के हाथी विशेषज्ञों के एक दल ने विगत दिनों हाथियों के स्वभाव का निरीक्षण कर आगे की रणनीति बनाए जाने की बात कहीं।

आलू की बाड़ी को भी हाथियों ने रौंद दिया

वन विभाग के अनुसार, हाथियों ने पांच किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। इनमें ग्राम चोई के नत्थू राठौर, प्रेमलाल और बाबूराम सिंह की गेहूं की खड़ी फसलें बर्बाद हुई हैं। कुकुरगोडा के रामप्रसाद की गेहूं और मटर की फसलें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं, वहीं चोई के कन्हैया राठौर की मूंगफली, प्याज और आलू की बाड़ी को भी हाथियों ने रौंद दिया।

दो हिस्सों में बंटा हाथियों का दल, दहशत

वर्तमान में, हाथियों का यह दल दो हिस्सों में बंट गया है। एक हाथी तुर्का डोंगरी (क्र्र 337) में विचरण कर रहा है, जबकि दो अन्य हाथी चिमटहाई डोंगरी के घने जंगलों में छिपे हुए हैं। हाथियों की मौजूदगी से नजदीकी ग्राम कुसुम्हाई, पचौहा, लहरपुर, चोई और कुकुरगोडा के ग्रामीणों में

दहशत का माहौल है।

हाथियों पर नजर, ग्रामीणों को सतर्कता की सलाह

परिसर रक्षक कोमल सिंह मरावी ने बताया कि हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और जंगल की ओर नहीं जाने की सलाह दी गई है। जैतहरी वन अमला मौके पर तैनात है और हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

वन विभाग हाई अलर्ट पर

विभाग ने मुनादी कराकर ग्रामीणों को हिदायत दी है कि वे जलाऊ लकड़ी लेने या मवेशी चराने जंगल की ओर कतई नहीं जाएं। साथ ही, रात के समय खेतों की रखवाली करने से बचे और जंगल की पगडंडियों का इस्तेमाल आवाजाही के लिए नहीं करें। हाथियों के वापस छत्तीसगढ़ के मरवाही या चोलना की ओर जाने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए वन विभाग हाई अलर्ट पर है।

पटवारी आज सौंपेंगे सामूहिक इस्तीफा

पटवारी संघ की कलम बंद हड़ताल 12वें दिन भी जारी

अनूपपुर नवभारत 22 फरवरी। जिले में पटवारी संघ ने अपनी मांगों और लंबित वेतन को लेकर कड़ा रुख अपने हुए सोमवार को सामूहिक इस्तीफा कलेक्टर हर्षल पंचोली को सौंपेंगे। साथ ही कल मध्य प्रदेश के पटवारी समर्थन में अपने काम को बंद रखेंगे।

संघ ने चेतावनी देते हुए कहां कि यदि 25 फरवरी तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो 26 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में दी जा रही सेवाओं का बहिष्कार करेंगे। ज्ञात हो कि पटवारी संघ की हड़ताल का रविवार को 12 दिन हैं।

वेतन सहित अन्य् मांगों को को लेकर पिछले 12 दिनों से पटवारी संघ कलमबंद हड़ताल पर हैं। जिससे आर्थिक संकट बन गया हैं।

प्रशासन ने नहीं की ठोस पहल

जिलाध्यक्ष चेतन सिंह मरावी ने बताया कि सोमवार को सभी पटवारी सामूहिक इस्तीफा कलेक्टर हर्षल पंचोली को सौंपेंगे। इसके पूर्व मुख्य सचिव, राजस्व विभाग और शिक्षा विभाग को पत्र भेजा गया है। पटवारियों का कहना है कि हड़ताल पर होने के बावजूद छात्र हित को देखते हुए वे अब तक कलेक्टर प्रतिनिधि की जिम्मेदारी निभा रहे थे, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होने के कारण अब काम जारी रखना मुश्किल हो गया है।

जान जोखिम में डालकर पुल को कर रहे पार

ग्रामीणों ने की पुलिया एवं सड़क निर्माण की मांग

कोतमा नवभारत 22 फरवरी। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत भाटाडांड से डोगरिया गांव जाने मार्ग में पुलिया नहीं होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के दिनों में होती है जब नाले में पानी भर जाता है और लोग जान जोखिम में डालकर पुल को पार करते हैं।

ग्रामीणों द्वारा पुलिया बनाए जाने को लेकर जनपद पंचायत से लेकर मंत्री दिलीप जायसवाल के पास भी गुहार लगाई, लेकिन आज तक उनकी गुहार किसी ने नहीं सुनी गई। ग्रामीणों का कहना है कि हमें यह आस थी कि अब हमारे क्षेत्र से सरकार में मंत्री बैठ गए हैं और इस क्षेत्र का विकास होगा, लेकिन विकास होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बीस माह पूर्व मुख्यमंत्री मोहन यादव के जिला आगमन पर घोषणा की गई थी कि डोगरियां से कोरेया तक पुलिया एवं सड़क निर्माण कार्य करवाया जायेगा, लेकिन अभी तक घोषणा पर अमल नहीं किया गया।

खतरों से भरे रास्तों से लोग आवागमन करने मजबूर

ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग डोगरिया कोरया भाटाडांड कोठी होते हुए सीतामढ़ी पिकनिक स्पॉट तक जाने वाला मार्ग है, लेकिन पुलिया एवं सड़क निर्माण नहीं होने के कारण खतरों भरे रास्तों से लोग आवागमन करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जिला के अधिकारियों से जल्द पुलिया एवं सड़क निर्माण करवाये जाने की मांग की है।

डिजिटल तकनीक से कैशलेस ट्रांजेक्शन को मिल रहा बढ़ावा

नवभारत, जबलपुर। रेल यात्रियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से कैशलेस ट्रांजेक्शन सुविधा की उपयोगिता को निरंतर बढ़ाने के लिए भारतीय रेल प्रयत्नशील है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल द्वारा भी यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और आधुनिक भुगतान विकल्प उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में पीआरएस काउंटर्स, यूटीएस काउंटर्स तथा पार्सल कार्यालयों में पीओएस मशीनों के माध्यम से कैशलेस भुगतान की सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही यात्रियों को यूपीआई भीम एवं मोबाइल टिकटिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से टिकट खरीदने और भुगतान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जीवन कौशल से संबंधित विषयों पर दिया प्रशिक्षण

उमंग स्कूल में हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित

अनूपपुर, नवभारत 22 फरवरी। आयुष्मान भारत मंत्रालय के अंतर्गत संचालित 'उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम' के तहत हेल्थ एवं वैलनेस एंबेसडर (आरोग्य दूत शिक्षक) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 21 फरवरी से जिला शिक्षा एवं शिक्षण संस्थान अनूपपुर में प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों से दो शिक्षकों एक पुरुष एवं एक महिला को हेल्थ एवं वैलनेस एंबेसडर के रूप में चयनित कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रथम चरण में प्रत्येक विद्यालय से एक-एक शिक्षक

प्रशिक्षण में उपस्थित हुए। इन शिक्षकों को विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं जीवन कौशल से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों का प्रभावी संचालन कर सकें।

प्रशिक्षित प्रशिक्षक दे रहे प्रशिक्षण

प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर डॉ. अलका तिवारी, जिला संयोजक स्वास्थ्य विभाग डॉ. एससी राय एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पिटानिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रही।

राज्य स्तर से प्रशिक्षित प्रशिक्षकों शिवमंगल सिंह, राम प्रकाश पटेल, मीना मिश्रा, विभा पटेल, यामिनी तिवारी, केश कली राठौर, प्रतिमा तिवारी एवं अर्पण मिश्रा द्वारा विभिन्न सत्रों का संचालन किया जा रहा है।

पहले दिन शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

प्रशिक्षण में स्वास्थ्य शिक्षा, किशोर स्वास्थ्य, पोषण, नशा मुक्ति, लैंगिक समानता, स्वच्छता एवं प्राथमिक उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रथम दिवस के सत्रों में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विद्यालयों में स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा।

एक नजर में

हरद में जल संरक्षण अभियान संगोष्ठी आयोजित

कोतमा नवभारत। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में सेक्टर क्रमांक 1 नवांकुर संस्था राम किशोर जन उत्थान समिति के मार्गदर्शन में विकासखंड अनूपपुर ग्राम पंचायत हरद में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों को दूषित पानी के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि जल संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी हैं। उपस्थित लोगों को जल संरक्षण करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। संगोष्ठी के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण की दिलाई गई। इस दौरान परामर्शदाता शारदा चौरसिया, माया सिंह, दीक्षा सिंह, विजय पनिका, दिनेश सिंह, पारस मुखर्जी, ममता, निशा आरती एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता रही।

दिगम्बर अनूपपुर विकास खण्ड के निर्विरोध अध्यक्ष बने

अनूपपुर नवभारत। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्लॉक अनूपपुर इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 22 फरवरी, रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर मे संचालित आजीविका दीदी कैन्टीन परिसर में जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशानिर्देशा पर निर्वाचन अधिकारी संतोष मिश्रा और सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रदीप मिश्रा द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से दिग्म्बर शर्मा को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष अनूपपुर निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी संतोष मिश्रा ने बताया कि पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा इसकी सूचना जिला इकाई को अभिलेख हेतु प्रेषित कर दी गई है।

विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता का सशक्त अभियान

अनूपपुर। जिला में आयुष्मान भारत आयुष्मान भारत 'उमंग' स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत माध्यमिक शिक्षकों का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में 21 से 23 फरवरी तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अनूपपुर में आयोजित किया जा रहा है। द्वितीय दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, संचार कौशल तथा जेंडर संवेदनशीलता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सहभागितापूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। रोल प्ले एवं समूह अभ्यासों से व्यवहारिक समझ विकसित की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसेडर के रूप में तैयार कर विद्यालय स्तर पर किशोरों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा, परामर्श एवं जीवन कौशल मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

दो दिन में 413 गिद्ध और 123 घोसले मिले

गणना : अहिरगवां वन क्षेत्र में सबसे ज्यादा गिद्ध, संरक्षण के प्रयास से सकारात्मक परिणाम

अनूपपुर नवभारत 22 फरवरी। जिले में गिद्धों की संख्या में पिछले एक दशक पहले काफी गिरावट आ गई थी। सरकार अब इनकी संख्या पता करने के लिए हर वर्ष गणना करा रहा है। तीन दिवसीय गणना में रविवार को जिले के अनूपपुर और अहिरगवां वन परिक्षेत्र में मुख्य रूप से गिद्ध पाए जाते हैं। तीन दिवसीय गणना के दौरान अनुपातिक तौर पर 413 गिद्धों का प्रत्यक्ष दर्शन एवं 123 गिद्धों की घोसलें तथा 15 निष्क्रिय गिद्धों के घोसलें गणना के दौरान मिले हैं।

गिद्ध प्रकृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी पक्षी है, जिसे पर्यावरण का सफाईकर्मी भी कहा जाता है। यह मुख्य रूप से मृत जानवरों का मांस खाकर वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। सबसे अधिक अहिरगवां वनपरिक्षेत्र में गिद्ध मिले हैं। इस वर्ष की गणना से क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

देसी और सफेद गिद्ध मिले

जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र अनूपपुर में पहले दिन 83 और दूसरे दिन शनिवार को 62 गिद्ध, रविवार को 95 दिखाई दिए। यह किरर और औढ़ेरा और बड़हर बीट के जंगलों में पाए गए हैं। अनूपपुर रेंज में भारतीय देसी गिद्ध और सफेद गिद्ध मिले हैं। दो दिवसीय गणना के दौरान 50 सक्रिय घोसलों की भी खोज वन विभाग द्वारा की गई है।

इस वर्ष गिद्धों की संख्या बढ़ी है

इसी तरह वन परिक्षेत्र अहिरगवां में जुगवारी, कठौतिया पूर्व और कठौतिया पश्चिम बीट में गिद्ध मिले हैं। शुक्रवार को तीनों बीट में 263 और शनिवार को 328 रविवार को 307 गिद्ध खोजे गए गिद्ध सफेद, देसी गिद्ध और लाँग विल्ड प्रजाति के हैं। तीनों बीट क्षेत्र में कुल 123 घोसलें भी खोजे गए हैं, जहां यह गिद्ध रहते हैं। संभावना जताई गई है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष गिद्धों की संख्या अधिक बढ़ी है।

कोतमा में गायत्री परिवार की संगोष्ठी आयोजित

जमुना कोतमा नवभारत 22 फरवरी। रविवार को शिव मंदिर प्रांगण, कोतमा में गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार शाखा तहसील कोतमा द्वारा एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक गायत्री मंत्र जाप से हुआ, जिसके पश्चात भक्ति गीतों की प्रस्तुति से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। संगोष्ठी में संगठनात्मक विस्तार, संस्कार जागरण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान एवं आदर्श ग्राम निर्माण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। तत्पश्चात सर्वसम्मति से 16 सदस्यीय तहसील समन्वय समिति का नवीन गठन किया गया। उक्त बैठक जेपी सिंह, उपजोन समन्वयक अमरकंटक गायत्री शक्तिपीठ उपजोन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। समिति में विजय कुमार जायसवाल, डॉ. नितिन सहारिया, रघुवंश नागेश, रविकांत प्रजापति, रामेश्वर कंवर, करुणा गुप्ता, अंजलि प्रजापति, सुखीराम प्रजापति, गुलाब रजक, नीलम माही, राज कुमार पटेल, शिवेन्द्र सिंह सेंगर, अनुराधा सहारिया, सतीश गुप्ता, संतोष गुप्ता एवं शिव कुमार सिंह, चिंतामणि को विभिन्न दायित्व सौंपे गए।

91500 रुपये की विदेशी मदिरा की जब्त

फुनगा पुलिस की कार्यवाही, शराब तस्कार वाहन छोड़कर भागे

अनूपपुर नवभारत 22 फरवरी। जिले की फुनगा चौकी पुलिस ने अवैध शराब का परिवहन करते 11 पेटी विदेशी मदिरा, मात्रा 96.480 लीटर कुल कीमती करीब 91500 रुपये एवं दो पहिया वाहन जब्त किया। पुलिस ने आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं अनु अधि. कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में चौकी फुनगा पुलिस ने शनिवार-रविवार की रात मुखबिर की सूचना पर ग्राम पाली सिटका टोला के मौहार में वेयर हाउस के पीछे अवैध शराब लेकर आने की सूचना पर छापामारी की गई। जहां मौहार के जंगल में अवैध शराब का परिवहन करने वाले पुलिस को देखकर शराब व परिवहन करने वाला दो पहिया वाहन क्छोड़कर अंधेरे में भाग गये।

लापरवाही | वर्ष 2006 से प्रारंभ हुई उन्नयन एवं भवन निर्माण की प्रक्रिया आज तक पूर्ण नहीं हो सकी, विद्यालय में वर्तमान में लगभग 4 कक्षों की कमी है

शासकीय बालक विद्यालय भवन निर्माण में देरी, छात्र हो रहे प्रभावित

अनूपपुर, नवभारत 22 फरवरी। जिले के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य में वर्षों से हो रही देरी अब विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। वर्ष 2006 से प्रारंभ हुई उन्नयन एवं भवन निर्माण की प्रक्रिया आज तक पूर्ण नहीं हो सकी है, जिससे छात्र-छात्राओं को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में अध्ययन करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार जुलाई 2006 में विद्यालय का माध्यमिक शाला से हाईस्कूल में उन्नयन किया गया। जुलाई 2006 से अक्टूबर 2013 तक विद्यालय का संचालन पुराने भवन में प्रथम पाली में होता रहा। तत्पश्चात 7 अक्टूबर 2013 को सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास अनूपपुर के आदेशानुसार विद्यालय को हाईस्कूल भवन में संचालित किया जाने लगा।

2018-19 में नए भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी

कलेक्टर अनूपपुर के आदेश पर खसरा नंबर 161/1-5/1 के अंश रकबा 0.322 हेक्टेयर भूमि विद्यालय हेतु आवंटित की गई। वर्ष 2016-17 में विद्यालय का उच्चतर माध्यमिक से हायर सेकेंडरी में उन्नयन हुआ और 2018-19 में 173.25 लाख की लागत से नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माण कार्य पीआईयू के माध्यम से संबंधित एजेंसी को सौंपा गया।

नक्शा बदला, लेकिन कार्य शुरू नहीं हुआ

प्रारंभिक स्वीकृत नक्शा 14 कमरों का था, जिसे यू-शेप में अनुमोदित किया गया। भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया पूर्ण कर अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर द्वारा पीआईयू को कार्य प्रारंभ हेतु सौंपा गया। बाद में पीआईयू द्वारा प्रस्तावित नक्शे को जी+1 स्वरूप में परिवर्तित कर पुनः अनुमोदन हेतु भेजा गया। नया नक्शा प्राप्त होने के बाद शीघ्र निर्माण प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया गया, किंतु 1 दिसंबर 2025 तक भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका।

वर्तमान स्थिति चिंताजनक

विद्यालय के वर्तमान स्थिति के अनुसार विद्यालय में वर्तमान में लगभग 4 कक्षों की कमी है। कक्षा 6वीं से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें 11वीं एवं 12वीं के कला एवं विज्ञान संकाय भी शामिल हैं। कक्षों के अभाव में विद्यार्थियों को एक ही कक्ष में समायोजित करना पड़ रहा है। कई बार वैकल्पिक व्यवस्था में कक्षाएं संचालित करनी पड़ती हैं।

अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की मांग

स्थानीय अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग से शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों की स्वीकृति के बाद भी वर्षों तक कार्य लंबित रहना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस लंबे समय से लंबित निर्माण कार्य को कब गति देता है और विद्यार्थियों को राहत कब तक मिल पाती।